पन्नालाल गिरधरलाल डी. ए. वी. महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

उत्कृष्ट शिक्षा के 60 वर्ष

वार्षिक विवरण

2017-18

13 अप्रैल 2018

प्रशासकीय समिति के सदस्य

श्री टी. एन. चतुर्वेदी

श्री अजय सूरी

डॉ. सतीश कुमार शर्मा

डॉ. डी. वी. सेठी

श्री आर. के. सेठी

डॉ. बी. सी. जोसन

डॉ. एस. एस. खन्ना

श्री जे. के. कपूर

डॉ. एम. सी. शर्मा

श्री आर. सी. जीवन

श्री अरविन्द घई

श्रीमती रीता गुप्ता

प्रो. रीना चक्रवर्ती

प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय

श्री राजीव रतन

श्री वरुण गौतम

डॉ. ईशा वर्मा

डॉ. विपिन प्रताप सिंह

डॉ. आर. के. गुप्ता

डॉ. मुकेश अग्रवाल (सदस्य सचिव)

महोदय,

अपने महाविद्यालय के हीरक जयंती वर्ष में यह वार्षिक विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे गौरव का अनुभव हो रहा है। मैं सचमुच गौरवान्वित हूँ कि हीरक जयंती के अवसर पर हमें देश के सर्वोच्च पद पर आसीन महामहिम राष्ट्रपति जी के प्रेरक उद्बोधन के रूप में आशीर्वाद प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्रांगण में उनकी गरिमामयी उपस्थिति हमारी यात्रा का वह पड़ाव है जो हमारी स्मृतियों में सदैव जीवित रहेगा। उनका मार्गदर्शन निरंतर आगे बढ़ने एवं कुछ और श्रेष्ठ करने के लिए निस्संदेह हमें प्रेरित कर रहा है और करता रहेगा।

आज विश्व के मानचित्र पर भारत का सम्मान और गौरव नई ऊँचाइयों पर पहुँच रहा है। भारत के होनहार नौजवान दुनिया भर में हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रहे हैं। महानगरों एवं शहरों में ही नहीं दूरदराज के गांवों कस्बों से आने वाले ये नौजवान वास्तव में भारत की विराट समृद्ध संस्कृति की ध्वजा फहरा रहे हैं। स्वतंत्रता के पश्चात् हमारे विकास की धारा कभी धीमी तो कभी तीव्र से प्रवाहमान होती रही है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ हमारे शिक्षण संस्थान भी इस विकास में यथासंभव योगदान देते रहे हैं। नए भारत के निर्माण के लिए हमें अभी बहुत कुछ और भी करना है, समृद्ध, संपन्न के साथ समरस भारत के लक्ष्य को पाने के लिए हम सबको प्रयत्न करने होंगे। पिछले एक सौ वर्षों से अधिक समय से डी.ए.वी. संस्था इस लक्ष्य को पाने में अनवरत रूप से सक्रिय है। इस महान संस्था की इस लंबी यात्रा में छोटी सी कड़ी के रूप में पीजीडीएवी कॉलेज पिछले 60 वर्षों से सहयात्री रहा है।

इस सत्र में कॉलेज ने अपने स्थापना के साठ वर्ष पूरे किये है। इस वर्ष कॉलेज में स्थापना दिवस पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मविभूषण डॉ. सोनल मानसिंह और संसद सदस्य डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

18 फरवरी 2018 को हीरक जयंती समारोह का दिन महाविद्यालय के लिए यादगार रहा। समारोह में भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया। समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश त्यागी ने छात्रों को संबोधित करते हुए पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक मूल्यो के उत्थान पर बल दिया। डी. ए. वी. मैनेजिंग कमेटी के डायरेक्टर (कॉलेज) डॉ. सतीश कुमार शर्मा ने देश में डी. ए. वी. की 900 से अधिक संस्थाओं के योगदान से परिचित करवाया।

इस वर्ष कॉलेज की प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष का दायित्व माननीय श्री टी. एन. चतुर्वेदी ने स्वीकार किया है। हम उनके आभारी हैं, हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में कॉलेज की गरिमा द्विगुणित होगी।

सदैव की भाँति इस वर्ष भी सभी क्षेत्रों में कॉलेज ने अद्भुत प्रदर्शन किया है, जिनमें से कुछ का संकेत मैं यहाँ कर रहा हूँ।

प्राध्यापकीय उपलब्धियाँ

अर्थशास्त्र विभाग : डॉ. अश्विनी महाजन के सत्र 2017-18 के दौरान विभिन्न शोध-पत्र प्रकाशित हुए। भारतीय अर्थव्यवस्था को केंद्र में रखकर उन्होंने डॉ. फूलचंद के साथ शोध-पत्र लिखा। आर्थिक और राजनैतिक साप्ताहिकों में भी आपके विभिन्न महत्त्वपूर्ण शोध-पत्र प्रकाशित हुए। डॉ. फूलचंद के साथ ICSSR द्वारा वित्त पोषित परियोजना पर भी डॉ. महाजन ने कार्य किया। आपने The Trail of the Black नामक पुस्तक के विमोचन के समय बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया और Think Edu Conclave नामक परिचर्चा में अध्यक्षता की। डॉ. महाजन ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई अर्थशास्त्रियों की बैठक में भी भाग लिया।

श्री वरुण भूषण ने तीन शोध-पत्र राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए। उनका एक शोध-पत्र "Role of Education and Employment in India's Demographic Dividend" शीर्षक से "International Journal of Research in Economics and Social Sciences" में प्रकाशित हुआ।

डॉ. संगीता मंडल का शोध-पत्र "Globalisation of Technology" Springer प्रकाशित हुआ। उनका एक अन्य शोध-पत्र "INDIALICS Working Paper Series" में प्रकाशित हुआ।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की **सुश्री गीता अग्रवाल** को "Biclustering in Bioinformatics" विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। इसी विभाग की **सुश्री अपर्णा दत्त** को "Cloud Computing" विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। आप दोनों को मेरी ओर से बधाई।

सुश्री वीनू भसीन ने 3 शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए। उनका एक शोध-पत्र 'Steganalysis' शीर्षक से "International Journal on Computational Science and Engineering" में प्रकाशित हुआ।

सांख्यिकी विभाग के **डॉ. मिथिलेश कुमार झा** का एक शोध-पत्र "Some New Three - Level Second-Order Response Surface Design" शीर्षक से अंतरराष्ट्रीय पत्रिका "Model Assisted Statistics and Applications" में प्रकाशित हुआ। उन्होंने एक शोध-पत्र "International Symposium on Mathematical Science" में प्रस्तुत किया। इस वर्ष इनके एक शोध छात्र को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

वाणिज्य विभाग के **डॉ. मनोज कुमार सिन्हा** के चार शोध-पत्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए उन्होंने Institute for studies in Industrial Development (ISID) द्वारा आयोजित "Capacity Building Programme" में Foreigh Direct Investment in India with Special Reference to Foreigh Investing Countries" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शशि नंदा ने दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने अमेठी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में Distinguishing

Service Quality : An Attractive Performance Perspective in Full Service Restaurants" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री मोनिका सैनी को 'वित्त' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एम. फिल. की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने कंपनी सचिव कार्यकारी अधिकारी परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने 3 शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए जो सम्मानित पत्रिकाओं में प्रकाशित भी हुए।

सुश्री साक्षी वर्मा ने पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Gender Inequality in Sports" शीर्षक पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री दीपिंद्र कौर को 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एम. फिल. की उपाधि प्रदान की गई। उनके तीन शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत तथा सम्मानित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

सुश्री भावना मिगलानी ने CPDHE दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक "Climated Change and Disaster Management" में एक अध्याय लिखा।

अंग्रेजी विभाग की **डॉ. उर्वशी साबू** एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन रहीं। उन्होंने कालिंदी कॉलेज द्वारा आयोजित FDP on Literature and Cinema में भाग लिया। उन्होंने मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित चार कहानियों का अनुवाद किया और एक पाकिस्तानी कवि की चार कविताओं का अनुवाद भी किया।

डॉ. अनीश कुमार का "Rockpebbles" में एक शोध-पत्र प्रकाशित हुआ।

डॉ. मोना गोयल के सम्मानित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में दो शोध-पत्र प्रकाशित हुए।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के **डॉ. गौरव कुमार** ने जाकिर हुसैन कॉलेज द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दो शोध-पत्र प्रस्तुत किए। उनका Scope of Phytochemically Unexplored Medicinal Plants" नामक पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित हुआ। डॉ. गौरव ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में शोध-पत्र एवं पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत की।

सुश्री ऋचा अग्रवाल ने एशियन जल पक्षी जनगणना 2018 में भाग लिया। उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में शोध-पत्र एवं पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत की।

डॉ. प्रदीप सिंह के विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 8 शोध-पत्र प्रकाशित हुए उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय द्वारा आयोजित FDP में भी भाग लिया।

राजनीति-शास्त्र विभाग के **डॉ. अभय प्रसाद सिंह** ने 'राष्ट्रवाद का भारतनामा: भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद' नामक पुस्तक में 3 अध्यायों को संपादित किया। उन्होंने शासन: 'मुद्दे और चुनौतियाँ' नामक पुस्तक का सह संपादन किया। डॉ. सिंह ने CSTT द्वारा आयोजित

दो कार्यशालाओं में भाग लिया और CCS University द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र भी प्रस्तुत किया।

सुश्री नेहा ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 7 शोध-पत्र प्रस्तुत किए और इन्हें सम्मानित पत्रिकाओं में प्रकाशित भी करवाया। उन्होंने एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्री प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने **भारत का विचार** और छोटेलाल सिंह ने **वैश्वीकरण** के विषय पर राष्ट्रीय स्तर के सभी आयोजनों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. हीरा सिंह विष्ट और **डॉ. युवराज कुमार** ने कॉलेज के लिए **वर्ल्ड इकोलॉजी एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट अवार्ड** में योगदान दिया और निजी स्तर पर राष्ट्रीय आयोजनों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. पिंकी पूनिया ने **अंबेडकर एवं महिला सशक्तिकरण** विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया, इसी विषय पर और विस्तार से दो पुस्तकों में इनके लेख भी प्रकाशित हुए।

हिंदी विभाग के **डॉ. कपिल प्रसाद निषाद** ने सत्र 2017-18 के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा आयोजित पांच राष्ट्रीय संगोष्ठियों में आलेख प्रस्तुत किए। डॉ. निषाद ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन सप्ताह का भाषा में रिफ्रेशर कोर्स भी पूरा किया। साथ ही केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई।

डॉ. मनोज कुमार कैन ने दिल्ली विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय की वर्षा जल संचयन समिति और अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण की संसदीय समिति में सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. चैन सिंह मीना के सत्र 2017-18 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में तीन शोध आलेख प्रकाशित हुए और एक शोध आलेख पुस्तक में प्रकाशित हुआ। डॉ. मीना ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पांच शोध आलेख प्रस्तुत किए।

डॉ. योगेंद्र कुमार को NCWEB मोती लाल नेहरु महाविद्यालय की ओर से हिंदी में उत्कृष्ट शिक्षण का सम्मान प्रदान किया गया।

श्री भारत पवार ने सन 2017-18 के दौरान कालिंदी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध आलेख प्रस्तुत किया। साथ ही राष्ट्रीय पत्रिका में एक शोध-पत्र भी प्रकाशित हुआ।

संस्कृत विभाग के **डॉ. पतंजलि कुमार भाटिया** को दयालबाग आगरा में दो बार विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. दिलीप कुमार झा की भारतीय दर्शन (तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा) विषय पर पुस्तक प्रकाशित हुई। इन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं रामानुजन कॉलेज के द्वारा आयोजित Faculty Development Programme में भाग लिया।

डॉ. गिरिधर गोपाल ने UGC माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट 'ब्रह्म पुराण में ऋषि, सांनिद्ध तीर्थ एवं पर्वों का शास्त्रीय तथा व्यावहारिक अध्ययन' पूर्ण किया। उन्होंने भी मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं रामानुजन कॉलेज के द्वारा आयोजित Faculty Development Programme में भाग लिया। इन्होंने 'ब्रह्मपुराण' विषय पर दो रिसर्च पेपर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा प्रदत माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रकाशित किए।

डॉ. प्रमिता मिश्रा ने वेद एवं ज्योतिष विषय पर जयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया तथा अखिल भारतीय कालिदास समारोह, उज्जैन में भी शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भारतीय प्राच्य ज्योतिष संस्थान, जयपुर से प्रकाशित पुस्तक 'राष्ट्रसमृद्धि का आधार वेद एवं ज्योतिष' में शोध-पत्र प्रकाशित हुआ।

पुस्तकालय विभाग की **सुश्री गरिमा गौड़ श्रीवास्तव** के दो लेख Journal of Library & Information Science में प्रकाशित हुए -

1. Preservation and Access of Cultural Heritage (Manuscripts Knowledge : A case study of Nehru Memorial Museum and Library)
2. Competencies of LIS professionals in ICT environment.

ये सभी प्राध्यापक बधाई के पात्र हैं।

परीक्षा परिणाम

सन 2017 में संपन्न परीक्षाओं में हमारे कॉलेज के परिणाम गौरवपूर्ण रहे। बीकॉम (ऑनर्स) 93.75%, बीकॉम (पास) 92.40%, अर्थशास्त्र (ऑनर्स) 97.5%, हिंदी (ऑनर्स) 90.90%, राजनीति-शास्त्र (ऑनर्स) 95.89%, इतिहास (ऑनर्स) 82.19%, गणित (ऑनर्स) 96.82%, सांख्यिकी (ऑनर्स) 95.23%, कंप्यूटर साइंस (ऑनर्स) 95.27%, बी.ए. प्रोग्राम 88.88% अंग्रेजी (ऑनर्स) का परिणाम 91% रहा।

इस उत्साहवर्धक परीक्षा परिणाम के लिए मैं सभी प्राध्यापकों को बधाई देता हूं।

पुस्तकालय विभाग

इस वर्ष पुस्तकालय द्वारा 13,18,777 रूपए की 2400 नई पुस्तकें खरीदी गई। इनके अतिरिक्त 42 सजिल्द पत्रिकाएँ आईं तथा 30 पुस्तकें उपहार में प्राप्त हुई। इस समय पुस्तकालय में एक लाख से ज्यादा पुस्तकें तथा 4359 सजिल्द पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं मनोरंजन के लिए 67 पत्रिकाएँ एवं 19 समाचार पत्र अनवरत रूप से आते हैं। पुस्तकालय पूर्णतया कंप्यूटरीकृत है एवं सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8:00 बजे से 5:00 बजे तक खुला रहता है। सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को पारंपरिक resources के साथ-साथ Electronic resources भी निःशुल्क access करने की सुविधा भी पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाती है। जैसे - Delhi

अंग्रेजी विभाग की संस्था **ECLECTICA** वर्ष भर उत्साहपूर्वक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है इस वर्ष 20 फरवरी को कविता पाठ एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पुस्तक विनिमय का कार्यक्रम BYOB - (Bring your own book) का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ, जिसमें 200 से अधिक छात्रों ने पुस्तकों की अदला-बदली की।

इतिहास विभाग की संस्था **धरोहर** के अंतर्गत छात्र-छात्राएं फतेहपुर सीकरी के शैक्षिक भ्रमण पर गए। वार्षिक कार्यक्रम अतीत इस वर्ष 21 मार्च 2018 को आयोजित किया गया जिसमें सुविख्यात इतिहासविद एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की सदस्य डॉ. मीनाक्षी जैन ने मध्यकालीन इतिहास के गैर फारसी स्रोतों पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय सिनेमा में Deconstructing Gender एवं दिल्ली के विस्मृत जलाशयों पर एक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

हिंदी विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018 में विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। 'चिंतन' हिंदी साहित्य सभा द्वारा 20 अगस्त 2017 को नवागंतुक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। विविध स्पर्धाओं के माध्यम से नवागंतुक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 'चिंतन' साहित्य सभा द्वारा 12 अक्टूबर 2017 को हास्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में महेंद्र शर्मा, दीपक गुप्ता, सत्यदेव हरियाणवी, शंभू शिखर जैसे प्रसिद्ध कवियों ने हास्य के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना, युवा शक्ति, मातृभाषा आदि के संदर्भ में जागृति का संदेश दिया। कार्यक्रम के पश्चात् प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं कवियों ने वृक्षारोपण की परंपरा का निर्वाह किया। 4 अप्रैल 2018 को 'चिंतन' सभा द्वारा हिंदी साहित्योत्सव 2018 के अंतर्गत अंतर्महाविद्यालय साहित्यिक गीत एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

संस्कृत विभाग मे सर्वप्रथम नवागन्तुक छात्रों के उद्‌बोधन के लिए डॉ. चाँद किरण सलूजा का व्याख्यान, विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त संस्कृत-विभाग के तत्वावधान में महाविद्यालय के हीरक जयंती वर्ष के अवसर पर इस वर्ष 'वेद-व्याख्यान मञ्जरी' नामक वैदिक व्याख्यानमाला का आरंभ किया गया जिसमें कुल चार व्याख्यान सम्पन्न हुए। प्रथम व्याख्यान डॉ. जी. सी. त्रिपाठी का दिनांक 14 अक्टूबर, 2017 को हुआ। उनका विषय था- 'मानव की आध्यात्मिक चेतना का प्रथम उन्मेष-वेद'। द्वितीय व्याख्यान 30 जनवरी, 2018 को प्रो. कपिल कपूर का हुआ जिसका विषय था- 'वेदों की सार्वभौमिकता'। तृतीय व्याख्यान प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी का हुआ, उनका विषय रहा-'वेद का एक अंग-ज्योतिष'। चतुर्थ व्याख्यान 26 मार्च, 2018 को सम्पन्न हुआ। इस व्याख्यान के वक्ता 'श्री अरविन्द भारतीय संस्कृत संस्थान-पुदुच्चेरी' के निदेशक डॉ. सम्पदानन्द मिश्र। इनका विषय था।-'वेद-एक भूमिका'।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना के इस वर्ष के महत्त्वपूर्ण आयोजनों में से एक तेजाब-पीड़िता सुश्री लक्ष्मी अग्रवाल का छात्रों को उद्बोधन रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना ने इस वर्ष स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए वर्षभर विभिन्न आयोजन किए। रेडक्रास की सहायता से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। छात्र-नागरिकों के लिए मतदाता पंजीकरण का काम भी सफलतापूर्वक किया गया। इन्होंने अपने कार्यक्रम 'अस्तित्व' के अंतर्गत 25 ऐसे छात्रों को शिक्षित किया जिन्हें शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। NSS के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री शरद सागर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

पर्यावरण संस्था Geo Crusaders

इस वर्ष कॉलेज को वर्ल्ड इकोलॉजी एनवायरमेंट डेवलपमेंट (WEED) द्वारा सम्मानित किया गया। सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कॉलेज के छात्रों ने 'अरावली' उत्सव में हिस्सा लिया पर्यावरण के प्रति समर्पित इस संस्था ने एयर वाइस मार्शल श्री विनोद रावत जी की स्मृति में वृक्षारोपण का अभियान चलाया। हमारी सहकर्मी डॉ. ऋचा अग्रवाल एवं सुश्री रेनू जोनवाल, ने ओखला पक्षी विहार में सुविख्यात पर्यावरणविद टी.के. राय के नेतृत्व में कार्य किया। संस्था ने वर्षभर कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जिसमें 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर)

इस वर्ष 54 छात्राओं और 160 छात्रों को एन.सी.सी. में नामांकित किया गया। सुश्री रेनू जौनवाल, श्री हरि प्रताप सिंह एस यू ओ, नामिता यादव और ए यू ओ वैभव भटनागर के दिशा-निर्देश में अनेक कैंप्स में राष्ट्रीय स्तर पर छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की।

हमारी पांच छात्रा कैडेट्स ने हिमाचल प्रदेश में पर्वतारोहण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हमारे दो कैडेट्स सार्जन्ट नीरज सिंह राठौर और राहुल कुमार ने थल सैनिक कैंप में हिस्सा लिया। हमारे 3 कैडेट्स छात्रों ने वारंगल में आयोजित राष्ट्रीय एकता कैंप में हिस्सा लिया

हमारे कैडेट नवांग डोगरे, आयुष त्रिपाठी, रघुवेंद्र एवं शौर्य ने गणतंत्र दिवस कैंप में हिस्सा लिया। इस वर्ष की हमारी उपलब्धियों में विभिन्न कैडेट्स का योगदान रहा। जूनियर अंडर ऑफिसर शिवम शर्मा, सीपीएल गौरव राणा, जूनियर अंडर ऑफिसर स्मृति सिंह का योगदान विशिष्ट था। इसके अतिरिक्त सामाजिक कार्यों में भी हमारी हिस्सेदारी उत्साहवर्धक रही। इंडिया गेट पर जल संरक्षण अभियान व वृक्षारोपण अभियान एवं स्वच्छ भारत अभियान में हमारे कैडेट्स ने प्रशंसनीय योगदान दिया। इस वर्ष कैडेट्स के मध्य विभिन्न पारस्परिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। मिरांडा हाउस एवं किरोड़ीमल कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिताओं में हमारी इकाई को श्रेष्ठ

गार्ड ऑफ ऑनर एवं ड्रिल का पुरस्कार प्राप्त हुआ। एन.सी.सी. के वार्षिक कार्यक्रम 'प्रबल 2018' में मुख्य अतिथि के रूप में डी.डी.जी. ब्रिगेडियर एन. के. डबास की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शारीरिक शिक्षण विभाग

शारीरिक शिक्षण विभाग ने कॉलेज के हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में अंतर्महाविद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भी उत्सव उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। बी.ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम के अंतर्गत शारीरिक शिक्षण को विषय के रूप में आरंभ किया गया।

महाविद्यालय की टीम ने अनेक अन्तर्विद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अच्छा प्रदर्शन किया। इस अवधि की कुछ विशेष उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं-

व्यक्तिगत श्रेणी		
तान्या नेगी	बी.एस.सी. (गणित विज्ञान)	**स्वर्ण पदक** दिल्ली राज्य बॉक्सिंग चैंपियनशिप **रजत पदक** दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय चैंपियनशिप
कीरतजीत सिंह	बी.कॉम (ऑनर्स)	**स्वर्ण पदक** दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय गतका चैंपियनशिप
अरविंद	हिन्दी (ऑनर्स)	**स्वर्ण पदक** दिल्ली राज्य बॉक्सिंग चैंपियनशिप
कोमल	इतिहास (ऑनर्स)	**स्वर्ण पदक** दिल्ली राज्य बॉक्सिंग चैंपियनशिप
योगेश कुमार	संस्कृत (ऑनर्स)	**रजत पदक** दि. वि. कुश्ती चैंपियनशिप
अजय कुमार	अंग्रेजी (ऑनर्स)	**रजत पदक** दि. वि. कुश्ती चैंपियनशिप
हंस चपराणा	बी.ए. (प्रो.)	**कांस्य पदक** दि. वि. कुश्ती चैंपियनशिप
आशीष ब्राह्मण	संस्कृत (ऑनर्स)	**2 कांस्य पदक** दि. वि. कुश्ती चैंपियनशिप
दीपांशु टोकस	राजनीति-शास्त्र (ऑनर्स)	**रजत पदक** दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप
मंजीत सिंह	हिन्दी (ऑनर्स)	**कांस्य पदक** दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप
देव साहू	इतिहास (ऑनर्स)	**कांस्य पदक** दि. वि. 20 कि.मी. Walk चैंपियनशिप

प्रथम कुमार	बी. कॉम (पास)	**स्वर्ण पदक** वाको भारत किक बॉक्सिंग फेडरेशन कप 2017-18 **रजत पदक** वाको भारत राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप **कांस्य पदक** नेशनल अर्बन गेम्स 2017 वुशु चैंपियनशिप **रजत पदक** दिल्ली राज्य वुशु चैंपियनशिप
जय सिंह	बी.ए. (प्रो.)	**स्वर्ण पदक** दिल्ली राज्य चैंपियनशिप' 17 **कांस्य पदक** राष्ट्रीय ताइकवांडो चैंपियनशिप **कांस्य पदक** दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय चैंपियनशिप
करन यादव	बी.ए. (प्रो.)	गोल्डन बॉल व गोल्डन शूज अवार्ड
भूमेश कु. मैथिल	इतिहास (ऑनर्स)	**स्वर्ण पदक** दिल्ली राज्य चैंपियनशिप' 17 **रजत पदक** दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय चैंपियनशिप
	टीम श्रेणी	
क्रिकेट	महाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट विजेता : जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय तबीर 2018 क्रिकेट टूर्नामेंट विजेता : नेशनल लॉ फेस्ट, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय रनर-अप अन्तर्महाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट 4th Position, KIIT अन्तरविश्वविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट, भुवनेश्वर	
फुटबॉल	स्पर्धा'18 विजेता : NDIM रनर-अप अन्तर्महाविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट : Reliance Foundation	
वॉलीबॉल (पुरुष)	रनर-अप अन्तर्महाविद्यालय वॉलीबॉल टूर्नामेंट : Krishna Engineering College रनर-अप अन्तर्महाविद्यालय वॉलीबॉल टूर्नामेंट (स्पर्धा'18) : Amity University	
ताइकवांडो	4th Position, दि. वि. अन्तर्महाविद्यालय टूर्नामेंट	
वॉलीबॉल (महिला)	VANQUISH' 18 अन्तर्महाविद्यालय वॉलीबॉल टूर्नामेंट विजेता : Global Technical Campus, Jaipur	

प्लेसमेंट सेल

प्लेसमेंट सेल के तहत इस वर्ष 120 छात्र-छात्राओं का विप्रो एफ. आई. एस. ग्लोबल, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड जैसी ख्यात औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं में प्लेसमेंट हुआ। प्लेसमेंट सेल ने इस वर्ष Stock Market Club की भी शुरुआत की। लगभग 50 से अधिक कंपनियों ने Converge के अंतर्गत छात्रों को Summer internship के लिए अनुबंधित किया।

ENACTUS

अंतरराष्ट्रीय संस्था के पी.जी.डी.ए.वी. चेप्टर ने **कोरा कागज़ प्रोजेक्ट** के तहत श्रीनिवासपुरी और निजामुद्दीन वासियों में महिलाओं को नोटबुक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को स्वयंसेवी संस्था शक्ति के साथ मिलकर ENACTUS ने कुशलता विकास केन्द्र में विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त NOW (New opportunity for woman) के साथ भी काम किया, यह संस्था सामाजिक दायित्व के लक्ष्य हेतु पिछड़ी बस्तियों में कौशल विकास केंद्र के साथ मिलकर नागरिकों को स्वावलंबी बनाने की महत्वपूर्ण योजना में कटिबद्ध है। इस कार्य में हमारी सहकर्मी डॉ. प्रतिभा अग्रवाल और सुश्री ऋचा अग्रवाल का योगदान सराहनीय है।

छात्र संघ

महाविद्यालय में इस वर्ष छात्र संघ का गठन निर्विरोध हुआ।

अध्यक्ष : **नीलेश चौधरी**, वाणिज्य (विशेष) तृतीय वर्ष

उपाध्यक्ष : **राजदेव सिंह**, राजनीति शास्त्र (विशेष) द्वितीय वर्ष

सचिव : **सिमरन गौड़**, वाणिज्य (विशेष) द्वितीय वर्ष

सह सचिव : **फातिमा**, बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष

केन्द्रीय पार्षद[1] : **मानिक बसोया**, बी.ए. (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष

केन्द्रीय पार्षद[2] : **सुमित लोहिया**, संस्कृत (विशेष) प्रथम वर्ष

छात्र संघ परिषद्:- अपनी भागीदारी के माध्यम से अन्य छात्रों के हितों के लिए कार्य करता है। इसका उद्देश्य देश व समाज की समझ रखना और समस्याओं का समाधान तलाशना है। छात्र राजनीति से अनेक नेता आज भारतीय राजनीति में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

छात्र संघ का शपथ समारोह:- इस वर्ष छात्र संघ के शपथ समारोह का शुभारम्भ, लोक सभा, सांसद श्री वरुण गाँधी के कर कमलों से हुआ। सांसद ने अपने उद्घाटन भाषण में ''छात्रों को अध्ययन एवं सामाजिक कार्यों में उत्साहपूर्वक रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. मुकेश अग्रवाल ने छात्र संघ के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई।

राष्ट्रीय युवा दिवस:- 12 जनवरी 2018 को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' व स्वामी विवेकानन्द जयंती का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री योगेन्द्र पाठक, वरिष्ठ संपादक 'सहारा समय' रहे। उन्होंने अपने भाषण में समाज सुधार एवं समाज निर्माण में छात्रों की भूमिका के महत्व को रेखांकित किया।

महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव व ऋषि दयानन्द बोधोत्सव का आयोजन छात्र संघ ने किया। मुख्य वक्ता

डॉ. रणजीत आचार्य जी, नागरिक अस्पताल, पलवल हरियाणा ने अपनी योग क्रियाओं के माध्यम से दयानन्द का जीवन चरित्र व "आधुनिक भारत के निर्माण में महर्षि दयानन्द का योगदान विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता **डॉ. अश्वनी महाजन**, अर्थशास्त्र विभाग ने की। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. अजीत पुरी, हिन्दी विभाग ने किया।

छात्रसंघ के परामर्शदाता श्री रामवीर, श्री चेतन नेगी, सुश्री मोनिका सैनी, श्रीमती आकांक्षा जैन, ने अपनी सहजता, सुगमता व निर्णय क्षमता से छात्र संघ का मार्ग दर्शन किया।

सांस्कृतिक समिति

वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव-आगाज 2018:- सांस्कृतिक सभा और छात्र संघ के द्वारा 'आगाज 2018' का 'सफरनामा' थीम पर सफल आयोजन किया। आगाज 2018 की मुख्य अतिथि गोवा की राज्यपाल माननीय डॉ. मृदुला सिन्हा रहीं।

1 और 2 फरवरी 2018 को कॉलेज में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव आगाज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 36 महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर नाट्य विशेषज्ञ डॉ. जयदेव तनेजा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सांस्कृतिक उत्सव के केन्द्रीय विषय सफरनामा के अंतर्गत छात्रों ने फिल्म एवं रंगोली के माध्यम से जीवन के विविध पहलुओं को जीवंत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्तमान में गोवा की राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा का संबोधन छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायक रहा। नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. बलदेव भाई शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उनके वक्तव्य ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। आगाज के दौरान 27 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 70 महाविद्यालयों ने भाग लिया। समारोह के पहले दिन द लोकल ट्रेन बैंड ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और दूसरे दिन जाने-माने पंजाबी गायक मिलिंद गाबा ने अपने गायन से छात्रों का मन मोह लिया। इस वर्ष हमारी सांस्कृतिक समिति के छात्रों ने विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में 170 से अधिक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते, यह हमारे लिए हर्ष का विषय है। इस क्रम में सांस्कृतिक सदस्यों के सहयोग और अथक परिश्रम की मैं सराहना करता हूं। इस समिति की संयोजिका डॉक्टर सुषमा चौधरी उनकी टीम डॉ. ऋचा, सुश्री मेघा अग्रवाल, सुश्री भावना, डॉ. अपर्णा, डॉ. परमानंद शर्मा, सुश्री प्रीति लखानी और डॉ. नितिन के प्रति मैं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

स्पिक मैके

स्पिक मैके कार्यक्रमों की श्रृंखला में पद्मश्री शोवना नारायण ने 27 सितंबर को कथक नृत्य प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम विरासत सीरीज के अंतर्गत था। शोवना नारायण जी ने ठुमरी गायन के अंतर्गत रासलीला शैली में नृत्य कर कार्यक्रम का समापन किया। स्पिक मैके ने ही मधुबनी

पेंटिंग पर वर्कशॉप का आयोजन किया। श्रीमती शांति देवी को इस वर्कशॉप में आमंत्रित किया गया लगभग 40 छात्रों ने इसमें भाग लिया।

औषधि वाटिका

कॉलेज के सभी सदस्यों शिक्षकों छात्रों एवं कर्मचारियों के मध्य पारंपरिक औषधि वनस्पतियों के प्रति जानकारी एवं जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से औषधि वाटिका की शुरुआत की गई। जिसके अंतर्गत घृतकुमारी, पत्थरचट्टा एवं शतावरी जैसे 12 औषधीय पौधे लगाए गए हैं।

सतर्क

उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से सतर्क संस्था ने इस वर्ष जीएसटी कर प्रणाली एवं उसका उपभोक्ताओं पर प्रभाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। हमारे छात्रों द्वारा Energy Drinks Reality or Myth शोध-पत्र तैयार किया गया। इस वर्ष सतर्क ने 50 किलो ई वेस्ट को एकत्र करके पर्यावरणीय दृष्टि को ध्यान में रखकर उसे नष्ट किया। सतर्क ने इस वर्ष भी अपना वार्षिक न्यूजलेटर प्रकाशित किया।

कॉलेज के पूर्व-छात्र संघ

पीजीडीएवी एलुमनी एसोसिएशन वर्ष 1994 से लगातार सुचारु रूप से कार्य कर रही है। अपने पूर्व विद्यार्थियों को एक सूत्र में बाँधना और महाविद्यालय तथा समाज में रचनात्मक भूमिका अदा करना इसका मुख्य लक्ष्य है। यह संस्था रैगिंग के विपरीत कॉलेज में प्रवेश लेने वाले नवागत छात्रों का गुलाब का फूल, स्मृति चिह्न, चंदन तिलक व मिठाई से स्वागत करती है। साथ ही विद्यार्थियों को महाविद्यालय की परंपरा एवं उपलब्धियों से परिचित करवाती है। हमारे दो कार्यक्रम पारिवारिक मिलन समारोह एवं वार्षिक मिलन समारोह बहुत ही लोकप्रिय हैं। वार्षिक मिलन समारोह में पीजीडीएवी एलुमनी एसोसिएशन अपने सेवानिवृत्त गुरुजनों एवं कॉलेज के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शॉल, बुके व श्रीफल से सम्मान करती है। साथ ही विशेष उपलब्धि प्राप्त पूर्व छात्र को पीजीडीएवी रतन पुरस्कार भी दिया जाता है। इस वर्ष वार्षिक मिलन समारोह के मुख्य अतिथि भारत के जाने-माने रक्षा विशेषज्ञ मेजर जनरल प्रमोद कुमार सहगल थे। पीजीडीएवी रत्न अवार्ड पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट कर्नल श्री दिनेश कुमार बंसिल को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए दिया गया।

अंकुर

कॉलेज की अपनी पत्रिका 'अंकुर' निरन्तर विद्यार्थियों की रचनात्मक योग्यता को महाविद्यालय के समक्ष लाने में कार्यरत है। इस पत्रिका में न केवल विद्यार्थियों द्वारा लिखित लेख, कहानी, कविताएं होती है। वर्ष भर में कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक कार्यों, अन्य कार्यक्रमों का भी ब्यौरा होता है। इस संदर्भ में डॉ. उर्वशी साबू प्रमुख संपादक के रूप में बधाई की पात्र हैं।

उनके सहयोगियों डॉ. बन्नाराम मीना, श्री वेदप्रकाश, डॉ. पतंजलि भाटिया, डॉ. प्रमिता मिश्रा और सुश्री प्रीतिका नेहरा के परिश्रम के फलस्वरूप ही पत्रिका समय पर हमारे समक्ष है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति व्याख्यानमाला, 2017

महाविद्यालय में 13 अप्रैल, 2017 को गत वर्षों की भाँति डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 'डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया। यह व्याख्यानमाला 2014 से प्रत्येक वर्ष आयोजित की जा रही है। प्रो. विवेक कुमार, डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, श्री नरेंद्र जाधव को इसके अंतर्गत वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए सत्र 2017 में श्री अर्जुन राम मेघवाल (केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री, भारत सरकार) एवं प्रो. श्यौराज सिंह 'बेचैन' (हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) को वक्तव्य हेतु आमंत्रित किया गया। दोनों अतिथि वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष और विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में ही 11 अप्रैल, 2017 को 'भारत निर्माण में डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान' विषय पर अंतरमहाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी व्याख्यानमाला के अन्तर्गत 10 अप्रैल को एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक था 'महिला उत्थान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान'। इस वर्ष 12 अप्रैल 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक डॉ. अरविन्द कुमार के बाबा साहब के विचारों की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया।

पूर्वोत्तर सेल

हमारे महाविद्यालय में इस वर्ष पहली बार 10 अप्रैल को पूर्वोत्तर की संस्कृति को केन्द्र में रखकर 'हेरिटेज' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में मिजोरम की सुविख्यात गायिका सुश्री मलसमशवाँगा की उपस्थिति अतीव हर्ष का विषय है। इस अवसर पर शिक्षकों एवं छात्रों का पूर्वोत्तर की पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थिति अपनी संस्कृति को सजीव कर रही थी।

वुमन डेवलपमेंट सेल

8 मार्च 2018 को महाविद्यालय की वूमन डेवलपमेंट सेल द्वारा विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में नारी सशक्तिकरण और नारी अधिकारों को ध्यान में रखते हुए जैनेंद्र के उपन्यास 'त्यागपत्र' पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। नाटक में सुमिता, दिव्य शेखर झा, निखिल, आशा, सुमिता देवनाथ, सचिन, दक्ष के साथ-साथ शिवानी, रुचि, ज्ञानेश, कृष्णा एवं स्माइल आदि ने अपने अभिनय से बेहद प्रभावित किया।

23 मार्च 2018 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) के संदर्भ में चेतनायुक्त करने हेतु वूमेन डेवलपमेंट सेल द्वारा 'आई लव सेफ दिल्ली' कार्यक्रम का आयोजन

किया गया इस कार्यक्रम में पूर्व मिस्टर इंडिया डैनी बॉक्सर रॉकी और मृगांका (Founder SLAP) ने विद्यार्थियों विशेष तौर पर छात्राओं को आत्मरक्षा के नियम सिखाए।

इस सत्र में कॉमर्स विभाग के डॉ. एस. सी. मकानी सेवा निवृत्त हुए। इनके सुखद और स्वस्थ भविष्य की मैं कामना करता हूँ। इस वर्ष हमारे साथ जुडने वाले प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का कॉलेज की ओर से मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ।

माननीय अतिथिगण, मित्रों, सहयोगियों,

हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज के हमारे वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द शर्मा हैं। 25 वर्ष से अधिक इन्हें अध्यापन का अनुभव है। इन्हें यू.जी.सी. जूनियर रिसर्च फेलोशिप 1976 से 1978 तक और सी एस आई आर सीनियर रिसर्च फेलोशिप अप्रैल 1981 से दिसंबर 1981 तक सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय जनरल में इनके 60 से अधिक रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं। 4 पुस्तकें भी कैलाश चन्द शर्मा जी की प्रकाशित है।

आज इन्हें अपने मध्य पाकर हम गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

उपर्युक्त सभी गतिविधियों एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए मैं जहाँ अपने प्राध्यापक सहयोगियों को धन्यवाद देता हूँ वहीं कॉलेज के गैर शिक्षक कर्मचारी भी साधुवाद एवं धन्यवाद के पात्र हैं। कॉलेज के सुचारु संचालन में आप सबके सहयोग की मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ।

छात्रवृत्तियाँ

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी रूपलाल मग्गू स्मारक
2. श्रीमती दयावती सुन्दरलाल मैमोरियल दास
3. श्री सुल्तान चंद मैमोरियल
4. श्री काशीराम कपूर देवी मैमोरियल फंड
5. डॉ. कीर्ति कुमार ओबरॉय
6. डॉ. ऋषि कुमार
7. श्रीमती एवं श्री भगवानदास
8. श्रीमती प्रकाशवती रोशन लाल चड्ढा
9. श्री कृष्णगोपाल साहनी स्मारक
10. श्री विनोद मेहता
11. डॉ. कृष्ण लाल
12. शकुंतला देवी शर्मा पुरस्कार
13. प्यारेलाल शर्मा पुरस्कार
14. विट्टल देवी अवध बिहारी स्मारक पुरस्कार
15. श्रीमती कुसुम अग्रवाल पुरस्कार
16. श्री पी.एन. परनामी
17. विपिन सचदेवा पुरस्कार
18. श्रीमती संगीता मोहन एवं बेबी प्रियंका मोहन पुरस्कार
19. दीपा जुनेजा स्मृति पुरस्कार
20. रामप्यारी भाटिया स्मृति पुरस्कार
21. सुरेन्द्र शर्मा स्मृति पुरस्कार
22. दीपा अरुण प्रकाश पुरस्कार
23. सत्यजीत कुमार स्मृति में
24. श्रीमती शांति देवी कक्कड़
25. श्री हजारी लाल कक्कड़
26. श्री राजनारायण कक्कड़
27. सुमेरचन्द गुप्ता पुरस्कार
28. आर. एन. चोपड़ा छात्रवृत्ति
29. संतोष बख्शी एवं सुदर्शन मलिक पुरस्कार
30. ललिता खुराना पुरस्कार
31. के. एल. भाटिया पुरस्कार
32. डा. जे. कृष्णा मूर्ति पुरस्कार
33. शकुन्तला देवी पुरस्कार

विश्वविद्यालय ही देश के महापुरुषों का निर्माण करने वाला कारखाना है तथा अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर हैं।

–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम्।।

(हितोपदेश)

विद्या विनय को देती है, नम्रता से योग्यता मिलती है, योग्यता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है।